निर्यात को प्रोत्साहित करने पर डिजिटल सत्र का आयोजन

सीआईआई ने 15 जून, 2020 को निर्यात वृद्धि में ईसीजीसी के साथ एक वेबिनार, डिजिटल सत्र का आयोजन किया। इसमें अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एम. सेंथिलनथन और कार्यकारी निदेशक सुनील जोशी ने भाग लिया और प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस दौरान निर्यात को चलाने और अर्थव्यवस्था में विकास को पटरी पर लाने के लिए लागत प्रभावी बीमा की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया। सीआईआई नेशनल के चेयरमैन संजय बुधिया ने कहा, इस समय में क्रेडिट रिस्क को मैनेज करना और अप्रत्याशित नुकसान के खिलाफ सुरक्षा लेना महत्वपूर्ण हो गया है और एक्सपोर्ट सेक्टर को बैंक क्रेडिट का प्रवाह बढ़ाने की जरूरत है।

डिजिटल सेशन ऑन पार्टनरिंग एक्सपोर्ट ग्रोथ में ईसीजीसी के अध्यक्ष और एमडी एम सेंथिलनथन, ईसीजीसी के कार्यकारी निदेशक सुनील जोशी और सीआईआई नेशनल कमेटी ऑन एक्जिम और पैटन के एमडी संजय बुधिया।

श्री सेंथिलनथन ने उल्लेख किया कि ईसीजीसी महामारी से संबंधित प्रतिबंधों के तहत काम कर रहा है, लेकिन वे अपने ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल सभी खरीदार और दुनिया के अधिकांश हिस्से कोविड-19 से निपटने के उपायों के कारण प्रभावित हैं। एक दशक पहले आए ग्लोबल फाइनेंशियल मेल्डाटउन की तुलना में यह संकट काफी बदतर है। लगभग सभी व्यावसायिक इकाइयों की कार्यशील पूंजी चक्र प्रभावित हुई है। ईसीजीसी इसमें एक चक्रीय भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि ईसीजीसी मानता है कि इस स्थिति में कुछ क्रेडिट प्रदाताओं के लिए उच्च जोखिम लेने की जरूरत है। उन्होंने ईसीजीसी द्वारा निर्यातकों के लिए घोषित विभिन्न कदमों के बारे में बताते हुए ईसीजीसी कवर के प्रक्रियात्मक पहलुओं के बारे में बात की।

एक प्रश्न के उत्तर में, सीएमडी ने कहा कि बड़े खरीदारों के मामले में यदि ईसीजीसी के ध्यान में कोई प्रतिकूल जानकारी आती है, तो इसे उसके पॉलिसीधारकों के साथ साझा किया जाएगा। सीएमडी ने यह भी कहा कि ईसीजीसी नए बाजारों और विशेष रूप से अफ्रीका और लैटिन अमेरिका तक विस्तार करने के अपने प्रयासों में निर्यातकों का समर्थन करने के लिए तैयार है। सदस्य से एक प्रश्न के उत्तर में यह स्पष्ट किया गया था कि एक अयोग्य खरीदार के संबंध में डिफ़ॉल्ट की रिपोर्ट को नियत तारीख से एक महीने के भीतर रिपोर्ट करने की आवश्यकता है।

ईसीजीसी के कार्यकारी निदेशक सुनील जोशी ने भी संगोष्ठी को संबोधित किया और विश्व अर्थव्यवस्था के सामने वैश्विक परिप्रेक्ष्य की चुनौतियों पर बातें कही। उन्होंने उल्लेख किया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था भारी कर्ज के बोझ, गिरते हुए व्यापार, कम खपत, खर्च और सकल घरेलू उत्पाद के कई झटके से ग्रस्त है। उनके अनुसार चार प्रमुख चुनौतियां वित्त की उपलब्धता, लचीली वाणिज्यिक शर्तें, भू-राजनीतिक जोखिम, और बढ़े हुए इन्सॉल्वेंसी हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईसीजीसी की भूमिका लंबी अवधि, उच्च जोखिम वाले बाजारों और उच्च मूल्य लेनदेन का समर्थन करके क्षमता प्रदान करना है। श्री सुनील जोशी ने परियोजना निर्यात से संबंधित मुद्दों को भी एक सदस्य से एक प्रश्न पर स्पष्ट किया।

देश भर से टाटा स्टील, सीमन्स, एस्कॉर्ट्स, बजाज इलेक्ट्रिकल्स, जे के टायर, भारत फोर्ज, पैटन इंटरनेशनल, अवाडा एनर्जी, कोरोमंडल इंटरनेशनल जैसी प्रमुख कंपनियां भी शामिल हुईं।

PATTON